शोध – प्रारूप

हो साहित्यकार दमयन्ती सिंकु जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन

पीएच॰ डी॰ की उपाधि हेतु प्रस्तावित शोध-प्रारूप की रूपरेखा

स्नातकोत्तर "हो" विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची

संकाय: जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा

वर्षः 2024

शोध निर्देशक

डॉ. बीरेन्द्र कुमार सोय
सहायक प्राध्यापक
स्नातकोत्तर मुण्डारी विभाग
राँची विश्वविद्यालय, राँची

शोधार्थी

संजय गागराई
एम.ए. "हो"
यू.जी.सी.नेट/जे.आर.एफ.
स्नातकोत्तर "हो" विभाग
राँची विश्वविद्यालय, राँची

भूमिका:-

संसार के प्रत्येक मनुष्य का जीवन अपूर्ण होता है, लेकिन उस अपूर्ण जीवन काल के दौरान भी अपनी एक विशिष्ट पहचान होती है। वह किसी भी प्रकार से अपना स्थान सदृढ़ करके एक बहुमूल्य पहचान स्थापित कर जाता है। खासकर यह गुण साहित्यकारों में अत्याधिक मिलता है। इनकी पहचान तो सुन्दर, आकर्षक एवं शैक्षिक कृतियों के द्वारा ही होती है।

दमयन्ती सिंकु "हो" जनजाति के उन महान हस्तियों में से एक है जिन्होंने "हो" साहित्य एवं शैक्षिक क्षेत्र में महान योगदान दे रही है।

दमयन्ती सिंकु का जन्म गाँव - खैरपाल, प्रखण्ड - मंझगाँव, प. सिहंभूम जिला, कोल्हान प्रमण्डल, राज्य - झारखण्ड के एक प्रतिष्ठित, शिक्षित एवं अच्छे संपन्न परिवार में हुआ।

दमयन्ती सिंकु का बचपन गाँव में ही बीता, प्रथमिक शिक्षा गाँव खैरपाल में ही शुरू किया, गाँव खैरपाल की संपूर्ण संस्कृति कि झलक उनकी सम्पूर्ण कृतियों में ही दिखाई पड़ती है। यहीं पर उन्होंने बुनियादी संस्कार ग्रहण किये एवं परम्परा से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं।

बहुमुखी प्रतिभा से धनी दमयन्ती सिंकु जो हम लोगों के बीच हो भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में सूर्य जैसा चमकता एक चर्चित नाम है। इनका जन्म 10 दिसंबर 1961 ई. में हुई। इनकी माता का नाम - हर्षमती सिंकु एवं पिता - जगमोहन सिंकु हैं।

बचपन से ही पढ़ाई - लिखाई में अच्छी रहीं हैं। इन्होंने मैट्रिक, इंटर एवं स्नातक की डिग्री चाईबासा से प्राप्त की। तत्पश्चात् वर्ष 1985 ई. में स्नातकोत्तर जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग 'हो' राँची विश्वविद्यालय, राँची में नामांकन करवायी एंव वर्ष 1989 ई. में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुई। वर्ष 1991 ई. में हो भाषा में पहला यू.जी.सी. नेट पास करने का गौरव हासिल किया। इसके बाद राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय सेमिनार के लिए कई विदेशों की शैक्षिक भ्रमण में भाग लिया।

वर्ष 2004-05 ई. में राजीव गाँधी नेशनल फेलोशिप अवार्ड के लिए चयनित हुई। तत्पश्चात् डॉ. दमयन्ती सिंकु ने वर्ष 2011 ई. में " हो जनजाति में बा गीत : एक सांस्कृतिक अध्ययन " विषय पर पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त की।

दमयन्ती सिंकु के विषय पर सोचता हूँ तो मुझे एक बात जान पड़ती है, कि निश्चित रूप से जो श्रेष्ठ है, उसको प्राप्त करने के लिए वे सदैव निरंतर प्रयत्न करने के लिए तैयार रहती है। किसी से भी ज्ञान की शिक्षा लेने एंव देने में

किसी प्रकार का कोई संकोच नहीं करती हैं। उनके जीवन और कार्य, उनका हर स्वरूप लेखक, शिक्षक, कलाकार आदि सभी रूपों में श्रेष्ठ है। अतः आपके द्वारा समाज को दिया गया योगदान अविस्मरणीय रहेगा।

प्रेरणा:-

मेरा जन्म झारखण्ड राज्य के कोल्हान प्रमण्डल के जिला प.सिंहभूम जो प्रकृति की हरी-भरी वादियों से घिरा हाटगम्हरिया प्रखण्ड के ग्राम-रूईया में हुआ। हाटगम्हारिया प्रखण्ड जो "हो" भाषा-भाषी बहुल क्षेत्र है। जहाँ मेरा बचपन गुजरा और मेरा परवरिश भी इसी माहौल में हुआ है। इस कारण से मेरी मातृभाषा "हो" के प्रति आर्कषण एवं लगाव शुरू से ही रहा है। इस कारण से ही मैंने अपनी पढ़ाई स्नातकोत्तर "हो" भाषा से की है। अपने इस पढ़ाई के दौरान मेरा "हो" भाषा को अच्छी तरह से जानने, समझने की जिज्ञासा एवं दिलचस्पी बढ़ती गई।

स्नात्तकोत्तर की पढ़ाई के दौरान अपने शिक्षकों आदरणीय डॉ. दमयन्ती सिंकु, डॉ. सरस्वती गागराई, अनुराधा मुण्डू, एवं गुरूचरण पुरती से ज्ञान अर्जित किया। डॉ. दमयन्ती सिंकु, डॉ. सरस्वती गागराई, अनुराधा मुण्डू के शोध कार्यों एवं उनके साहित्य को देख कर प्रेरणा मिली एवं स्नातकोत्तर के पढ़ाई के दौरान जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के शोधार्थियों के शोध कार्यों को देखा, जिससे मुझे इस क्षेत्र में शोध कार्य करने की इच्छा हुई और ऐसा प्रतीत हुआ कि मैं भी अपना "हो" भाषा की समृद्धि में अपना योगदान दूँ।

अध्ययन काल में हो भाषा के साहित्यकारों एवं कवियों के विभिन्न पुस्तकों का अध्ययन किया। इस दौरान मुझे दमयन्ती सिंकु के विभिन्न पुस्तकों को भी पढ़ने का मौका मिला और सोच विचार करने के बाद इनके उपर शोध कार्य करने का निश्चय किया। क्योंकि दमयन्ती सिंकु का कविता संकलन काफी अच्छा एवं आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक एवं ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित है। इनकी रचनाओं को समाज के सामने प्रस्तुत करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

मैं "हो साहित्यकार दमयन्ती सिंकु जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन" विषय पर शोध करने के लिए उत्सुक था और मैंने दमयन्ती सिंकु से इस विषय पर सहमति मांगी। तत्पश्चात् उन्होने मुझे सहमति प्रदान की। साथ ही विभाग के सहायक प्राध्यापकों, शोधार्थियों, परिवार के सदस्यगण, मित्रों एवं मेरे शुभ चिंतकों ने भी इस शोध कार्य के लिए मुझे प्रेरित किया।

शोध विषय का औचितय:-

दमयन्ती सिंकु के व्यक्तित्व, बुद्धि एवं विचारों की योंजनाओं का एवं उनके शैक्षिक स्वरूप को शिक्षण कार्य में प्रयोग किया जाए तो विद्यार्थियों की रूचि के अनुरूप उसकी क्षमता का व्यवहारिक विकास संभव हो सकता है। दमयन्ती सिंकु के शिक्षा साहित्य एवं विचारों को वर्तमान शिक्षा प्रणाली एवं पाठयक्रम में समान रूप से महत्व देना अनिवार्य किया जाये।

अध्ययन की अवश्यकता:-

प्रस्तुत विषय पर अध्ययन की अवश्यकता इसलिए हुई कि दमयन्ती सिंकु सहायक प्राध्यापक के साथ ही गीत-संगीत, लोकगीत आदि कला से परिपूर्ण है।

आपकी प्राथमिक शिक्षा एवं जीवन की यात्रा अति सघंर्षमयी रही, आप एक ऐसी साहित्याकार/कलाकार है जिन्होंने जनसामान्य को हो लोकगीत/संगीत के प्रति ध्यानाकर्षित किया एवं लोकप्रिय भी बनाया, आप ने गुरूजनों एवं समाज के बीच से अर्जित ज्ञान का सरंक्षण किया और जन मानस के बीच इस ज्ञान को साझा किया। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में भी आप ने अपने कृतित्व से समृद्ध किया।

जिसका गहन अध्ययन एवं शोध करना अति आवश्यक है। इन सारी बातों को जानकर मैने “ हो साहित्यकार दमयन्ती सिंकु जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन ” शीर्षक के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहा हूँ तथा इसके माध्यम से पाठकों के समक्ष विषय को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास करूँगा।

शोध का उद्धेश्य:-

1. दमयन्ती सिंकु के सम्पूर्ण जीवन परिचय का अध्ययन करना।
2. दमयन्ती सिंकु के जीवन एवं साहित्य का अध्ययन करना।
3. दमयन्ती सिंकु के द्वारा हो भाषा में किये गए व्याकरणिक, साहित्यिक रचनाओं एवं कहानियों का संकलन एवं विशलेषण करना।
4. दमयन्ती सिंकु की कार्यशैली का अध्ययन करना।
5. दमयन्ती सिंकु के द्वारा रचित कविताओं, रचनाओं एवं गीत के प्रभाव का अध्ययन करना।
6. दमयन्ती सिंकु के शैक्षिक चिंतन एवं शिक्षा दर्शन का अध्ययन करना।
7. दमयन्ती सिंकु के योगदान का सम्पूर्ण विवरण प्रस्तुत करना।

<u>विषय की परिसीमांकन:-</u>

दमयन्ती सिंकु के द्वारा हो भाषा साहित्यिक एवं शैक्षिक क्षेत्र में किये गये योगदान की महत्व की चर्चा इस शोध प्रबंध में की जायेगी।

<u>शोध विधि:-</u>

निम्नलिखित विधियों द्वारा शोध कार्य किया जा सकता है:-

1. अवलोकन विधि।
2. प्रश्नावली विधि।
3. साक्षात्कार विधि।
4. तुलनात्मक विधि।
5. विश्लेषणात्मक विधि।

<u>अध्ययन के स्रोत (उपकरण):-</u>

निम्नलिखित सामग्री शोध कार्य के लिए उपयोग किए जा सकते हैं: -

1. शोध से संबधित पुस्तकें, प्रकाशित रचनाएँ, संदर्भ ग्रंथ पुस्तकें।
2. पत्र-पत्रिकाएँ
3. टेप रिकॉर्डर /कैसेट/सीडी
4. कैमरा (अवश्यक चित्रों, फोटो खींचने एवं विडियो तैयार करने के लिए अवश्यक)
5. मोबाईल
6. कम्प्यूटर
7. इन्टरनेट
8. नक्शा, पेपर आदि।
9. पुस्तकालयों में अध्ययन।
10. निर्देशक एवं विशेषज्ञों से विचार-विमर्श।

<u>प्रस्तुत विषय से संबंधित शोध कार्य :-</u>

प्रस्तावित शोध विषय “ हो साहित्यकार दमयन्ती सिंकु जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन ” पर अब तक कोई कार्य नहीं किया गया है। अतः यह शोध कार्य नवीनतम एवं मौलिक होगा।

<u>अध्ययन की प्रस्तावित रूपरेखा</u>

शोध विषय :- हो साहित्यकार दमयन्ती सिंकु जीवन एवं साहित्य : एक अध्ययन

- प्रस्तावना
- शोध विषय की प्रेरणा
- उद्देश्य
- शोध का परिसीमन
- शोध विधि
- प्रस्तुत विषय से संबंधित कार्य

प्रथम अध्याय : दमयन्ती सिंकु की जीवन दर्शन

(1) पारिवारिक परिवेश (जन्म, माता, पिता)
(2) शिक्षा
(3) वैवाहिक जीवन
(4) व्यक्तित्व की विश्लेषण
(5) दमयन्ती सिंकु से जुड़े कुछ रोचक संस्मरण एंव घटनाएँ
(6) जीवन के प्रति दृष्टिकोण

द्वितीय अध्याय : दमयन्ती सिंकु एवं उनका युग

(1) दमयन्ती सिंकु युगीन परिस्थितियाँ एवं समस्याएँ
(2) दमयन्ती सिंकु द्वारा तत्कालीन परिस्थितियों में योगदान
(3) दमयन्ती सिंकु का 'हो' साहित्य के ओर झुकाव
(4) दमयन्ती सिंकु के रचनाओं का उद्भव एवं विकास
(5) दमयन्ती सिंकु की सामाजिक क्षेत्र, कविताओं एवं वाद्ययंत्र के क्षेत्र में प्रवेश

तृतीय अध्याय : दमयन्ती सिंकु के द्वारा रचित साहित्यिक विधाएँ

(1) गीत
(2) कहानी
(3) नाटक
(4) निबंध
(5) कविता
(6) लेख-आलेख
(7) अनुवाद साहित्य
(8) यात्रा वृतांत

चतुर्थ अध्याय : दमयन्ती सिंकु के कृतित्व एवं विभिन्न आयाम

(1) शिक्षक के रूप में
(2) कलाकार के रूप में
(3) शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्य
(4) सम्मान एवं उपाधि
(5) यात्राएँ

पंचम अध्याय : दमयन्ती सिंकु के द्वारा रचित रचनाओं का संरक्षण

(1) दमयन्ती सिंकु के पूर्ववर्ती एवं समकालिन 'हो' साहित्यकार
(2) दमयन्ती सिंकु द्वारा रचित रचनाओं का विश्लेषनात्मक अध्ययन
(3) दमयन्ती सिंकु द्वारा रचित पुस्तकों का जनजातीय जनजीवन में महत्व एवं प्रभाव।
(4) दमयन्ती सिंकु के रचनाओं की विशेषता

षष्ठ अध्याय : दमयन्ती सिंकु के पत्र-पत्रिकाओं के लेख

(1) झारखण्ड विचार
(2) आखड़ा
(3) डहर
(4) प्लाश
(5) स्मारिका आदिवासी जन परिषद
(6) तुम्बल सगोम
(7) युद्धरत आम आदमी
(8) कक्साड़

सप्तम अध्याय : दमयन्ती सिंकु द्वारा "हो" साहित्य के विकास में योगदान

(1) शैक्षिक योगदान
(2) धार्मिक योगदान
(3) सामाजिक योगदान
(4) सांस्कृतिक योगदान

उपसंहार :

परिशिष्ट :

- आधार ग्रंथों की सूची
- सन्दर्भ ग्रंथों की सूची
- पत्र-पत्रिकाओं की सूची
- साक्षात्कार की सूची
- चित्रावली

नोट:- आवश्यकता होने पर शोध प्रारूप में आंशिक परिवर्तन किया जा सकता है।

शोध निर्देशक

डॉ. बीरेन्द्र कुमार सोय
सहायक प्राध्यापक
स्नातकोत्तर मुण्डारी विभाग
राँची विश्वविद्यालय, राँची

शोधार्थी

संजय गागराई
एम.ए. "हो"
यू.जी.सी.नेट/जे.आर.एफ.
स्नातकोत्तर "हो" विभाग
राँची विश्वविद्यालय, राँची

<u>**आधार ग्रंथों की सूची**</u>

क्र.सं.	लेखक/लेखिका	पुस्तक का नाम	प्रकाशक	वर्ष
1.	सिंकु डॉ. दमयन्ती	हो-हिन्दी शब्दकोश (कजि बुरू)	हो भाषा साहित्य विकास मंच,राँची	2007
2.	सिंकु डॉ. दमयन्ती	हो एक परिचय		2007
3.	सिंकु डॉ. दमयन्ती	सिंहभूम के शहीद लड़ाका 'हो'	के. के पब्लिकेशन इला.	2008
4.	सिंकु डॉ. दमयन्ती	पुति रेया सेतेङ डबुरा को	हो भाषा साहित्य विकास मंच, राँची	2012
5.	सिंकु डॉ. दमयन्ती	हो व्याकरण ओन्डोः निबंधावली	झारखण्ड झरोखा, राँची	2013
6.	सिंकु डॉ. दमयन्ती	हो दुरंग हिसिर (हिन्दी अनुवाद के साथ)	झारखण्ड झरोखा, राँची	2013
7.	सिंकु डॉ. दमयन्ती	मरङ गोमके जयपाल सिंह मुण्डा (श्रुति नाटक का हो अनुवाद)	झारखण्ड झरोखा, राँची	2013
8.	सिंकु डॉ. दमयन्ती	'हो' सीखें	झारखण्ड झरोखा, राँची	2013
9.	सिंकु डॉ. दमयन्ती	'हो' भाषा के साहित्यकार	झारखण्ड झरोखा, राँची	2017
10.	सिंकु डॉ. दमयन्ती	हो जनजाति में बा गीत: एक सांस्कृतिक अध्ययन	झारखण्ड झरोखा, राँची	2017
11.	सिंकु डॉ. दमयन्ती	हो दुरंग पोथी (हिन्दी अनुवाद एंव संपादन)	झारखण्ड झरोखा, राँची	2022
12.	सिंकु डॉ. दमयन्ती	नमा कहनि को	झारखण्ड झरोखा, राँची	2023
13.	सिंकु डॉ. दमयन्ती	हो कवि एंव उनके काव्य (1915-2022)	झारखण्ड झरोखा, राँची	2023

सन्दर्भ ग्रंथों की सूची

क्र.सं.	लेखक/लेखिका	पुस्तक का नाम	प्रकाशक	वर्ष
1.	सिंहा डॉ. आदित्य प्रसाद	हो लोक कथा एक अनुशीलन	किशोर विद्या निकेतन, भदैनी वाराणसी	1997
2.	सिंहा डॉ. आदित्य प्रसाद	हो भाषा और साहित्य का इतिहास	प्रज्ञा परामर्श केंद्र, राँची	2002
3.	कोड़ाह कमल लोचन	मानकी मुण्डा शासन व्यवस्था	झारखण्ड झारोखा राँची	2022
4.	उपाध्याय डॉ. कृष्णदेव	लोक साहित्य की भूमिका	साहित्य भवन	2008
5.	टुडू डॉ. कृष्ण चन्द्र	संताली लोक साहित्य	संताली साहित्य परिषद, राँची प्रा.लि. इलाहाबाद	2008
6.	देवगम कानूराम	हो दुरंग पोथी	श्री विश्वनाथ दास कृष्ण प्रिटिंग वर्क्स चाईबासा	1915
7.	बांकिरा जवाहर लाल	हो हयम ओन्डोः सनागोम	सासा.प्रकाशन मडकम हातु, चाईबासा	2011
8.	पिंगवा जानुम सिंह	हो जनजाति सांस्कृतिक परंपराएँ एवं लोकगीत	झारखण्ड झारोखा राँची	2022
9.	सोय पद्म-श्री डॉ. जानुम सिंह	हो लोकगीत में बा गीत एक सांस्कृतिक अध्ययन		
10.	बुड़िउली डोबरो	दुपुब दोस्तुर मियड मर्सल	दुपुब दोस्तुर, अकड़ा	2000

11. चाम्पिया देवेन्द्र नाथ	हो बकुड़ि ओन्डोः दुरंग डुम्बः	टी. आर. आई. राँची	2014
12. बोदरा डॉ. प्रदीप	हो कविताओं का राष्ट्रीय स्वर	झारखण्ड झारोखा राँची	2014
13. सोय डॉ. बीरेन्द्र कुमार	मुण्डारी भाषा व्याकरण एवं साहित्य	शिवांगनपब्लिकेशन	2016
14. सोय डॉ. बीरेन्द्र कुमार	मुण्डा जनजाति का परिचय	सत्यम् पब्लिशिंग हाऊस	2019
15. सोय डॉ. बीरेन्द्र कुमार	मुंडारी जगर ओडोः सहिति रेआ उबर	प्रगतिशील प्रकाशन हाऊस	2019
16. सोय डॉ. बीरेन्द्र कुमार	मुण्डारी भाषा का भाषिक संरचना	सत्यम् पब्लिशिंग	2021
17. पिंगुवा डॉ. लक्ष्मी	हो लोक साहित्य	के.के.पब्लिकेशन	2018
18. सोय एस. एस.	आदिवासी संस्कृति बा पोरोब	नीलम प्रिंटिंगहाउस टाटा कॉलेज, चाईबासा	1997
19. तुबिड सामू चरण	हो को ओन्डोः नेकोवअः दिसुम	जनजातीय भाषा अकादमी वर्मा यूनियन प्रेस, राँची	1988
20. तियु डॉ. सोनेया कु.	दिशुम रूमुल	सीधा होरा सुसर अकड़ा नहकाहासा सिंहभूम	2008
21. तिर्की डॉ. सिकरादास	मुण्डारी लोक साहित्य	प्यारा केरकेट्टा फाउन्डेशन	2010
22. आर्चर डब्लू.जी.	हो दुरंग	अमुद्रित	1940

पत्र-पत्रिकाओं की सूची

क्र.सं.	सकलनकर्ता /सम्पादक	पत्रिका	प्रकाशक	वर्ष
1.	अध्यक्ष आदिवासी हो समाज	तुम्बल सगोम	सिंहभूम आदिवासी समाज, राँची	2014
2.	आरसी	दिसुम संस्था	नई दिल्ली	
3.	कुदाद काशराय	कोल्हान सकम	जेमा ग्ा्रफिक्स	2003
4.	सिंह कुसुमलता	कक्साड़	डॉल्फ़िन प्रिंट ग्राफिक्स, नई दिल्ली	2015
5.	बांकिरा जवाहर लाल	सारण्डा सकम	गंगाराम बंकिरा	2009
6.	सोय डॉ. बीरेन्द्र कुमार	सगोम	तिरला, खूँटी	2009
7.	कृष्ण डॉ. राधा	आदिवासी पत्रिका	सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राँची	1947
8.	जेराई रमेश	ओतरोङ स्मारिका	बिरसा चाईबास	2000
9.	तियु सोनेया कुमार	तुरतुङ स्मारिका	हो समाज महासभा चाईबासा	1970
10.	समड हिर्ला सुशीला कुई	ओमोन	आदिवासी हो समाज महासभा, चक्रधरपुर	2005
11.	गुप्ता रमानिका	युद्धरत आम आदमी	रमानिक, नई दिल्ली	1914